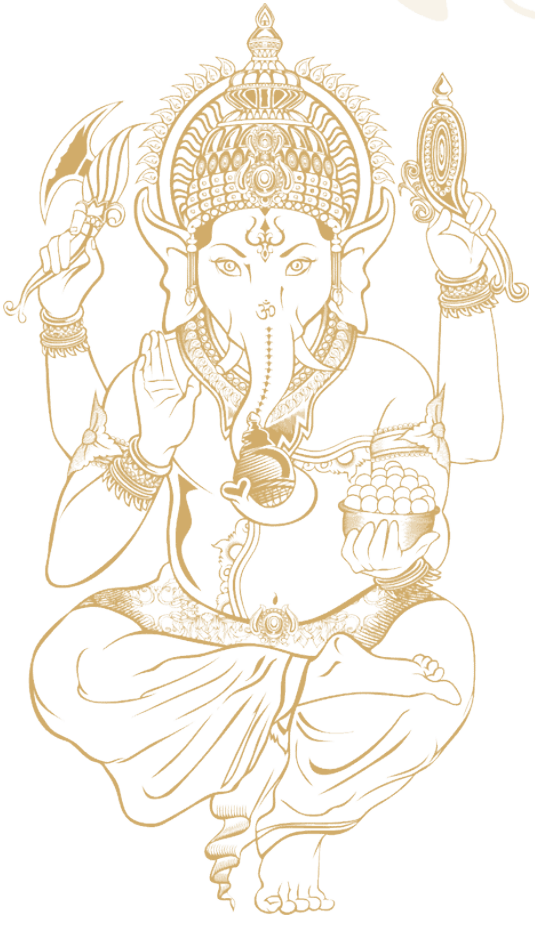

Om prakash tripathi

05 Sep 1959

09:30 PM

Ramkot

Model: web-freekundliweb

Order No: 121185703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/09/1959**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	39:14:58 घटी
स्थान	**Ramkot**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:31:00 उत्तर
रेखांश	80:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:22:20 घंटे
वेलान्तर	00:01:02 घंटे
साम्पातिक काल	20:18:23 घंटे
सूर्योदय	05:48:00 घंटे
सूर्यास्त	18:24:47 घंटे
दिनमान	12:36:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:02:41 सिंह
लग्न के अंश	22:43:12 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठाकुर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:43:12	432:24:20	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			सिंह	19:02:41	00:58:12	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कन्या	22:34:21	14:09:12	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कन्या	06:31:25	00:38:43	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध			सिंह	07:45:31	01:52:27	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	02:01:10	00:07:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
शुक्र	व		सिंह	12:06:25	00:35:02	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि			धनु	07:09:51	00:00:04	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु			कन्या	10:45:13	00:00:40	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	10:45:13	00:00:40	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	मूलत्रिकोण
हर्ष			कर्क	25:00:34	00:03:29	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
नेप			तुला	11:33:52	00:01:31	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
प्लूटो			सिंह	10:56:08	00:02:00	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			मक	09:01:36	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:17:40

लग्न-चलित

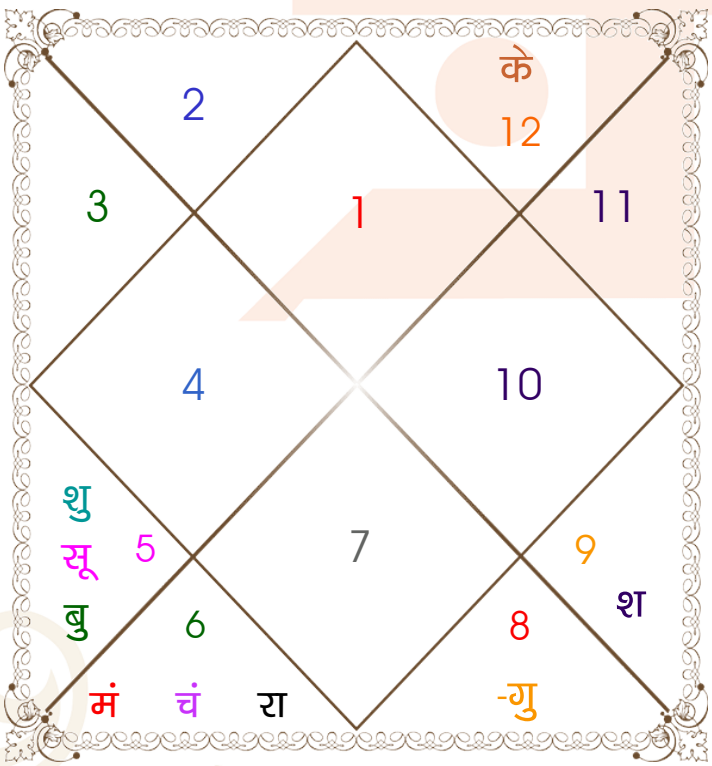

चन्द्र कुंडली

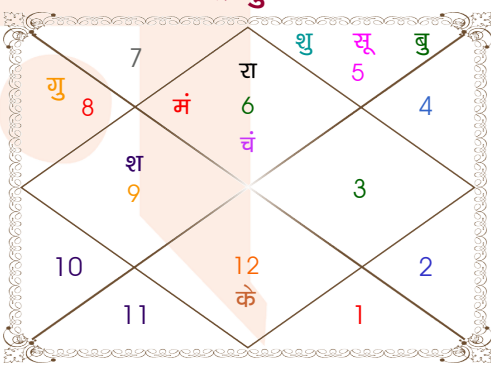

नवमांश कुंडली

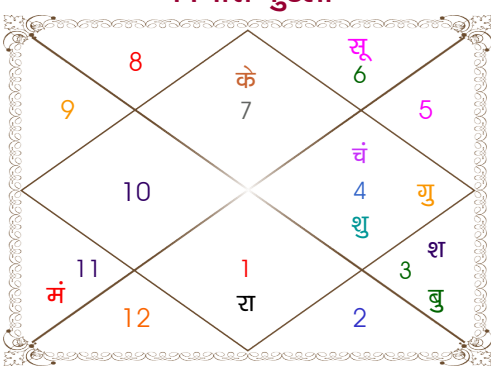

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 6 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/09/1959		01/04/1960		02/04/1967		01/04/1985		01/04/2001	
01/04/1960		02/04/1967		01/04/1985		01/04/2001		01/04/2020	
	00/00/0000	मंगल	28/08/1960	राहु	13/12/1969	गुरु	20/05/1987	शनि	04/04/2004
	00/00/0000	राहु	15/09/1961	गुरु	07/05/1972	शनि	01/12/1989	बुध	13/12/2006
	00/00/0000	गुरु	22/08/1962	शनि	14/03/1975	बुध	07/03/1992	केतु	22/01/2008
	00/00/0000	शनि	01/10/1963	बुध	01/10/1977	केतु	11/02/1993	शुक्र	23/03/2011
	00/00/0000	बुध	27/09/1964	केतु	19/10/1978	शुक्र	13/10/1995	सूर्य	04/03/2012
	00/00/0000	केतु	24/02/1965	शुक्र	19/10/1981	सूर्य	01/08/1996	चंद्र	04/10/2013
	05/09/1959	शुक्र	26/04/1966	सूर्य	13/09/1982	चंद्र	01/12/1997	मंगल	13/11/2014
शुक्र	01/10/1959	सूर्य	31/08/1966	चंद्र	14/03/1984	मंगल	06/11/1998	राहु	18/09/2017
सूर्य	01/04/1960	चंद्र	02/04/1967	मंगल	01/04/1985	राहु	01/04/2001	गुरु	01/04/2020

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/04/2020		01/04/2037		01/04/2044		01/04/2064		01/04/2070	
01/04/2037		01/04/2044		01/04/2064		01/04/2070		00/00/0000	
बुध	28/08/2022	केतु	28/08/2037	शुक्र	01/08/2047	सूर्य	19/07/2064	चंद्र	31/01/2071
केतु	26/08/2023	शुक्र	28/10/2038	सूर्य	01/08/2048	चंद्र	18/01/2065	मंगल	01/09/2071
शुक्र	26/06/2026	सूर्य	05/03/2039	चंद्र	01/04/2050	मंगल	26/05/2065	राहु	02/03/2073
सूर्य	02/05/2027	चंद्र	04/10/2039	मंगल	01/06/2051	राहु	20/04/2066	गुरु	02/07/2074
चंद्र	30/09/2028	मंगल	01/03/2040	राहु	01/06/2054	गुरु	06/02/2067	शनि	31/01/2076
मंगल	28/09/2029	राहु	20/03/2041	गुरु	30/01/2057	शनि	19/01/2068	बुध	01/07/2077
राहु	16/04/2032	गुरु	24/02/2042	शनि	01/04/2060	बुध	24/11/2068	केतु	30/01/2078
गुरु	23/07/2034	शनि	05/04/2043	बुध	31/01/2063	केतु	01/04/2069	शुक्र	05/09/2079
शनि	01/04/2037	बुध	01/04/2044	केतु	01/04/2064	शुक्र	01/04/2070		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।